चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी का बड़ा तोहफा! 50 करोड़ की स्कॉलरशिप, जानें डिटेल

विषय सूची (Table of Contents):

>> चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी स्कॉलर समिट 2026 का उत्तर प्रदेश में भव्य आगाज...
>> दो दिवसीय शिखर सम्मेलन का शुभारंभ...
>> 12 राज्यों के 750 से अधिक छात्र हुए शामिल...
>> स्कॉलर टू फ्यूचर-रेडी प्रोफेशनल एआई, डिफेंस और इंजीनियरिंग पर विशेष फोकस...
>> क्या है इस वर्ष की मुख्य थीम?...
>> नई तकनीकों के माध्यम से छात्रों का सशक्तिकरण...
>> मेधावी विद्यार्थियों को बड़ा तोहफा बांटी गई 50 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति...
>> CUCET परीक्षा के विजेताओं का सम्मान...
>> 3,000 से अधिक छात्र हो चुके हैं लाभान्वित...
>> कौशल विकास मंत्री का संबोधन आधुनिक तकनीक और स्किल बेस्ड शिक्षा की जरूरत...
>> राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल के मुख्य विचार...
>> डेटा साइंस और साइबर सिक्योरिटी में बढ़ते अवसर...
>> अत्याधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और इंडस्ट्री-इरविन लर्निंग से छात्रों को मिल रहे रोज...
>> एआई स्पेस और जीपीयू (GPU) इंफ्रास्ट्रक्चर की भूमिका...
>> वैश्विक कंपनियों में इंटर्नशिप और प्लेसमेंट का मौका...
>> देश-विदेश के विशेषज्ञों ने नवाचार और भविष्य के करियर विकल्पों पर किया मार्गदर्शन...
>> यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन (UCL) के प्रोफेसर का व्याख्यान...
>> पूर्व ब्रह्मोस सीईओ डॉ. सुधीर कुमार मिश्रा के टिप्स...
>> बॉलीवुड अभिनेता कुमुद मिश्रा का प्रेरक संदेश अवसरों का लाभ उठाकर बनाएं अपनी अलग...
>> छात्रों में नई ऊर्जा का संचार...
>> कुलपति और वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति...
>> निष्कर्ष...
>> जनता के सवाल (FAQs)...

देश की प्रमुख और पहली एआई ऑगमेंटेड मल्टीडिसिप्लिनिरी चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी (CU) ने उत्तर प्रदेश की धरती पर शिक्षा और तकनीकी नवाचार के एक नए अध्याय की शुरुआत की है। उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले के नवाबगंज में आयोजित दो दिवसीय सीयू स्कॉलर समिट-2026 (फेज-2) का शानदार आगाज हुआ है। इस शिखर सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य युवा पीढ़ी को भविष्य की बढ़ती तकनीकी मांगों के अनुरूप तैयार करना है।

इस मेगा इवेंट में देश के विभिन्न राज्यों से आए सैकड़ों मेधावी छात्रों ने भाग लिया है। यह समिट विशेष रूप से उन युवाओं के लिए एक बड़ा मंच साबित हो रही है, जो एआई, एयरोस्पेस, डिफेंस और आधुनिक इंजीनियरिंग के क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं। इस लेख में हम इस भव्य आयोजन से जुड़ी हर एक बड़ी और नवीनतम अपडेट (latest update) की विस्तृत समीक्षा करेंगे।

चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी स्कॉलर समिट 2026 का उत्तर प्रदेश में भव्

चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी द्वारा उत्तर प्रदेश में सोमवार को दो दिवसीय सीयू स्कॉलर समिट-2026 के दूसरे चरण का अत्यंत भव्य और गरिमापूर्ण शुभारंभ किया गया। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम का आयोजन उन्नाव के नवाबगंज क्षेत्र में किया गया, जहां शिक्षा जगत के कई बड़े दिग्गजों और प्रशासनिक अधिकारियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

दो दिवसीय शिखर सम्मेलन का शुभारंभ

इस दो दिवसीय सम्मेलन के पहले ही दिन छात्रों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के वरिष्ठ पदाधिकारियों की देखरेख में शुरू हुए इस कार्यक्रम का लक्ष्य अकादमिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देना है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया कि इस प्रकार के आयोजनों से जमीनी स्तर पर तकनीकी शिक्षा का विकास होगा।

12 राज्यों के 750 से अधिक छात्र हुए शामिल

इस शिखर सम्मेलन के पहले दिन भारत के लगभग 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से आए 750 से अधिक मेधावी छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। छात्रों की इतनी बड़ी भागीदारी यह दर्शाती है कि आज का युवा तकनीकी रूप से कितना जागरूक हो चुका है। विभिन्न क्षेत्रों से आए इन छात्रों को एक-दूसरे के विचारों को समझने और साझा करने का एक बेहतरीन प्लेटफॉर्म मिला है।

स्कॉलर टू फ्यूचर-रेडी प्रोफेशनल : एआई, डिफेंस और इंजीनियरिंग

इस वर्ष आयोजित हुए सीयू स्कॉलर समिट की आधिकारिक थीम फ्रॉम स्कॉलर टू फ्यूचर-रेडी प्रोफेशनल: एआई, एयरोस्पेस, डिफेंस एंड इंजीनियरिंग रखी गई है। यह विषय पूरी तरह से वर्तमान वैश्विक औद्योगिक क्रांति और आधुनिक तकनीकों की मांग को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

क्या है इस वर्ष की मुख्य थीम?

इस थीम का मुख्य उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान देने के बजाय छात्रों को एक फ्यूचर-रेडी प्रोफेशनल यानी भविष्य की चुनौतियों से निपटने में सक्षम पेशेवर बनाना है। आज के समय में जब पूरी दुनिया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और मशीन लर्निंग की तरफ बढ़ रही है, ऐसे में पारंपरिक शिक्षा पद्धतियों में बदलाव लाना अनिवार्य हो चुका है।

नई तकनीकों के माध्यम से छात्रों का सशक्तिकरण

सम्मिट के दौरान एयरोस्पेस टेक्नोलॉजी, रक्षा प्रणाली (Defense Systems) और एडवांस इंजीनियरिंग के विभिन्न पहलुओं पर गंभीर चर्चा की गई। युवाओं को प्रेरित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए इन क्षेत्रों में नवाचार करना बेहद जरूरी है। जिस प्रकार राज्य में युवाओं के आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए योगी सरकार का 'जीरो पावर्टी' महाभियान चलाया जा रहा है, ठीक उसी तरह चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी भी शिक्षा के स्तर को ऊंचा उठाकर छात्रों को सशक्त बना रही है।

मेधावी विद्यार्थियों को बड़ा तोहफा: बांटी गई 50 करोड़ रुपये

इस समिट का एक सबसे महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक आकर्षण मेधावी विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति वितरण समारोह रहा। चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी हमेशा से ही प्रतिभावान छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करने में आगे रही है, ताकि पैसे की कमी के कारण किसी भी बच्चे की उच्च शिक्षा बाधित न हो।

CUCET परीक्षा के विजेताओं का सम्मान

समिट के पहले दिन चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (CUCET) में उत्कृष्ट और शानदार प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। परीक्षा की मेरिट लिस्ट (list) में शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को मंच पर बुलाकर स्कॉलरशिप सर्टिफिकेट प्रदान किए गए।

3,000 से अधिक छात्र हो चुके हैं लाभान्वित

विश्वविद्यालय के प्रबंधन ने जानकारी दी कि वे अब तक विभिन्न राज्यों के 3,000 से अधिक छात्र-छात्राओं को लगभग 50 करोड़ रुपये की भारी-भरकम छात्रवृत्ति वितरित कर चुके हैं। छात्र आधिकारिक पोर्टल पर जाकर अपनी स्कॉलरशिप का स्टेटस चेक (status check) भी कर सकते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में इस प्रकार के वित्तीय प्रोत्साहन ठीक वैसे ही कारगर साबित हो रहे हैं जैसे स्कूली स्तर पर अतुल माहेश्वरी छात्रवृत्तियुवाओं के सपनों को उड़ान दे रही है।

कौशल विकास मंत्री का संबोधन: आधुनिक तकनीक और स्किल बेस्ड शिक

इस गरिमामयी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार के व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल शामिल हुए। उन्होंने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम के सत्रों की शुरुआत की और उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया।

राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल के मुख्य विचार

अपने संबोधन में कैबिनेट मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के प्रयासों की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि छात्रवृत्ति के माध्यम से देश के मेधावी विद्यार्थियों को आगे बढ़ने का इतना बड़ा अवसर देना एक अनुकरणीय पहल है। सरकार भी इस तरह के प्रयासों को पूरा समर्थन देती है।

डेटा साइंस और साइबर सिक्योरिटी में बढ़ते अवसर

मंत्री जी ने अपने भाषण में एआई (AI), डेटा साइंस, साइबर सिक्योरिटी, एयरोस्पेस और कोर इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में कौशल आधारित यानी स्किल-बेस्ड शिक्षा की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया। उन्होंने वहां मौजूद छात्र-छात्राओं को सलाह दी कि वे समय के साथ बदलती हुई वैश्विक तकनीक के अनुरूप स्वयं को ढालें और अपनी स्किल्स को लगातार अपग्रेड करते रहें।

अत्याधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और इंडस्ट्री-ड्रिवन लर्निंग से छा

चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी उत्तर प्रदेश के मैनेजिंग डायरेक्टर जय इंदर सिंह संधू ने समिट के दौरान विश्वविद्यालय के विजन और वहां उपलब्ध विश्वस्तरीय सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी साझा की।

एआई स्पेस और जीपीयू (GPU) इंफ्रास्ट्रक्चर की भूमिका

जय इंदर सिंह संधू ने बताया कि चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी में छात्रों के लिए विशेष एआई स्पेस , अत्याधुनिक उन्नत प्रयोगशालाएं (Advanced Labs) और हाई-एंड जीपीयू (GPU) इंफ्रास्ट्रक्चर जैसी सुविधाएं विकसित की गई हैं। यहाँ का पूरा करिकुलम इंडस्ट्री-ड्रिवन लर्निंग मॉडल पर आधारित है, जिससे छात्रों को केवल थ्योरी नहीं बल्कि शत-प्रतिशत व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त होता है।

वैश्विक कंपनियों में इंटर्नशिप और प्लेसमेंट का मौका

इस अत्याधुनिक लर्निंग मॉडल के कारण ही विद्यार्थियों को अपनी पढ़ाई के दौरान ही वैश्विक स्तर की शीर्ष बहुराष्ट्रीय कंपनियों में इंटर्नशिप और बेहतरीन पैकेज पर रोजगार (Placement) के शानदार अवसर मिल रहे हैं। जब छात्र अपने करियर की शुरुआत करते हैं और कंपनियों में शामिल होते हैं, तो उन्हें कई तरह के आधिकारिक दस्तावेजों की जरूरत होती है। ऐसी स्थिति में भविष्य की असुविधाओं से बचने के लिए छात्रों को UAN-पर आधार-पैन मिसमैच? PF KYC करने का आसान तरीका जानिए जैसी महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं के बारे में भी पहले से ही जागरूक होना चाहिए ताकि नौकरी ज्वाइन करते समय कोई समस्या न आए।

देश-विदेश के विशेषज्ञों ने नवाचार और भविष्य के करियर विकल्पों

इस दो दिवसीय सीयू स्कॉलर समिट में केवल अकादमिक चर्चाएं ही नहीं हुईं, बल्कि वैश्विक स्तर के शोधकर्ताओं और वैज्ञानिकों ने भी छात्रों के साथ सीधा संवाद स्थापित किया।

यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन (UCL) के प्रोफेसर का व्याख्यान

समिट में विशेष रूप से आमंत्रित यूनाइटेड किंगडम (UK) की प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन (UCL) के प्रो. डॉ. ल्यूक डिकिन्स ने शिरकत की। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एआई और मशीन लर्निंग में हो रहे नए बदलावों पर एक विस्तृत प्रेजेंटेशन दिया और छात्रों को बताया कि वे कैसे वैश्विक शोध का हिस्सा बन सकते हैं।

पूर्व ब्रह्मोस सीईओ डॉ. सुधीर कुमार मिश्रा के टिप्स

इसके साथ ही रक्षा क्षेत्र के जाने-माने विशेषज्ञ और पूर्व ब्रह्मोस एयरोस्पेस के सीईओ डॉ. सुधीर कुमार मिश्रा ने भी विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने भारतीय रक्षा प्रणालियों, एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में आत्मनिर्भरता और इस क्षेत्र में छिपी करियर की असीम संभावनाओं के बारे में छात्रों को बहुमूल्य टिप्स दिए।

बॉलीवुड अभिनेता कुमुद मिश्रा का प्रेरक संदेश: अवसरों का लाभ

समिट के दौरान उस समय उत्साह और दोगुना हो गया जब मशहूर बॉलीवुड अभिनेता कुमुद मिश्रा ने मंच संभाला। उन्होंने अपनी अनूठी और चित्ताकर्षक शैली में छात्रों से संवाद किया और उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

छात्रों में नई ऊर्जा का संचार

कुमुद मिश्रा ने अपने प्रेरक वक्तव्य में विद्यार्थियों से कहा कि आज के दौर में अवसरों की कोई कमी नहीं है, बशर्ते आप उनका सही समय पर लाभ उठाना जानते हों। उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि वे भीड़ का हिस्सा बनने के बजाय लीक से हटकर सोचें और समाज में अपनी एक अलग व अनूठी पहचान स्थापित करने का प्रयास करें।

कुलपति और वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति

इस पूरे भव्य कार्यक्रम के दौरान चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. डॉ. विनीत कुमार नायर, प्रो. डॉ. टी.पी. सिंह सहित विश्वविद्यालय के कई अन्य वरिष्ठ शिक्षाविद, डीन और विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे। सभी ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया और इस समिट के सफल आयोजन के लिए पूरी टीम को बधाई दी।

निष्कर्ष

चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी द्वारा उत्तर प्रदेश में आयोजित की गई यह दो दिवसीय सीयू स्कॉलर समिट-2026 तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में एक मील का पत्थर साबित होने वाली है। 50 करोड़ रुपये जैसी विशाल छात्रवृत्ति का वितरण और एआई, डिफेंस व एयरोस्पेस जैसे आधुनिक विषयों पर देश-विदेश के विशेषज्ञों का मार्गदर्शन निश्चित रूप से भारतीय छात्रों के भविष्य को एक नई और उज्ज्वल दिशा प्रदान करेगा। इस समिट से निकले निष्कर्ष आने वाले समय में युवाओं को वैश्विक पटल पर एक कुशल पेशेवर के रूप में स्थापित करने में सहायक सिद्ध होंगे।

जनता के सवाल (FAQs)

यह चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित एक दो दिवसीय शैक्षणिक शिखर सम्मेलन है, जिसका उद्देश्य मेधावी छात्रों को सम्मानित करना और उन्हें एआई, डिफेंस व इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों के लिए तैयार करना है।

इस समिट (फेज-2) का भव्य आयोजन उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले के नवाबगंज क्षेत्र में सोमवार को शुरू किया गया था।

इस वर्ष की मुख्य थीम फ्रॉम स्कॉलर टू फ्यूचर-READY प्रोफेशनल: एआई, एयरोस्पेस, डिफेंस एंड इंजीनियरिंग निर्धारित की गई थी।

समिट के पहले ही दिन भारत के 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से आए 750 से अधिक छात्र-छात्राओं ने इसमें हिस्सा लिया।

चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी द्वारा अब तक कुल 3,000 से अधिक मेधावी विद्यार्थियों को लगभग 50 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति वितरित की जा चुकी है।

CUCET का पूरा नाम चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी कॉमन एंट्रेंस टेस्ट है। इसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को ही भारी स्कॉलरशिप का लाभ दिया जाता है।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार के व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल शामिल हुए थे।

उन्होंने छात्रों को डेटा साइंस, एआई और साइबर सिक्योरिटी जैसे क्षेत्रों में कौशल आधारित शिक्षा अपनाने तथा बदलती तकनीक के अनुसार खुद को तैयार करने की सलाह दी।

यूनिवर्सिटी में अत्याधुनिक एआई स्पेस, एडवांस्ड लैब्स, जीपीयू इंफ्रास्ट्रक्चर और इंडस्ट्री-ड्रिवन लर्निंग मॉडल मौजूद हैं, जो छात्रों को व्यावहारिक

ज्ञान देते हैं।

यूके के यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन के प्रो. डॉ. लयूक डकिन्स और पूर्व ब्रह्मोस एयरोस्पेस के सीईओ डॉ. सुधीर कुमार मिश्रा ने छात्रों का मार्गदर्शन किया।

उन्होंने छात्रों को सभी उपलब्ध अवसरों का बेहतर उपयोग करने और भीड़ से अलग हटकर अपनी एक नई और विशिष्ट पहचान बनाने के लिए प्रेरित किया।

छात्र चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के आधिकारिक ऑनलाइन पोर्टल पर जाकर CUCET परीक्षा परिणाम, छात्रवृत्ति आवंटन सूची (PDF List) और अपना स्टेटस चेक कर सकते हैं।